MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2013 और जनवरी 2014 सत्र के सत्रीय कार्य

(एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

एम.ए. द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द-सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

टिप्पणीः इस पुस्तिका में एम.ए. द्वितीय वर्ष में उपलब्ध सभी छह पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य शामिल हैं किंतु आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने होंगे, जिन्हें आपने अपने द्वितीय वर्ष में लिया है। हालाँकि यह कार्यक्रम अभी केवल अंग्रेज़ी माध्यम में ही उपलब्ध है, किंतु आप अपने सत्रीय कार्य हिंदी में लिखकर जमा करा सकते हैं और अपनी सत्रांत परीक्षा भी हिंदी में दे सकते हैं।

आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए-015, एम.पी.ए-016, एम.पी.ए-017, एम.पी.ए-018, एम.एस.ओ-002 और एम.पी.एस-003 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए)	जुलाई 2013 सत्र के लिए 31 मार्च 2014 जनवरी 2014 सत्र के लिए 30 सितंबर 2014	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह देख लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए आप सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई.वायुनंदन
और
प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-015 : लोक नीति और विश्लेषण
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-015
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-015/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2013-14

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. नीति चक्र को परिभाषित कीजिए और इसकी विभिन्न अवस्थाओं की चर्चा कीजिए। 20
2. तर्कसंगत नीति-निर्माण मॉडल का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20
3. नीति-निरूपण में योजना आयोग की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20
4. "नीति निर्माण और विकास में अंतर्राष्ट्रीय अभिकरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" टिप्पणी कीजिए। 20
5. नीति कार्यान्वयन में प्रशासनिक संगठनों की भूमिका और उत्तरदायित्वों की चर्चा कीजिए। 20

भाग-II

6. नीति कार्यान्वयन के पाद-शीर्ष और शीर्ष-पाद दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए। 20
7. नीति मॉनीटरिंग की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए और प्रभावी मॉनीटरिंग के लिए उपाय सुझाइए। 20
8. न्यायिक निकायों की भूमिका के विशेष संदर्भ में नीति वितरण के प्रकारों का वर्णन कीजिए। 20
9. नीति मूल्यांकन के महत्व और विधियों की चर्चा कीजिए। 20
10. भारत की विनिवेश नीति का विवेचन कीजिए। 20

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-016
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-016/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2013-14

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के राजनीतिक और प्रशासनिक आयामों का विवेचन कीजिए। 20

2. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के संदर्भ में विकेंद्रीकरण की वैधानिक संरचना और कार्य-प्रणाली का वर्णन कीजिए। 20

3. सशक्तिकरण की संकल्पना की चर्चा कीजिए। सशक्तिकरण के मार्ग में आने वाली समस्याओं और बाधाओं का भी विवेचन कीजिए। 20

4. संसाधनों के वितरण में लोगों की प्राथमिकताओं को प्रभावित करने वाले कारकों का विवेचन कीजिए। 20

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

   क) विशिष्ट कार्य अभिकरणों के मूलाधार
   ख) भागीदारी : सरकार-नागरिक भागीदारी का एक कार्यक्रम

भाग-II

6. स्थानीय शासन के बारे में विभिन्न समितियों की महत्वपूर्ण सिफारिशों का विवेचन कीजिए। 20

7. संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची के अनुसार अंतःस्तरीय दायित्वों की चर्चा कीजिए। 20

8. विकास योजना की विभिन्न आवश्यकताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। **20**

9. "संसाधनों का सतत तरीके से संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए राज्य की अनेक जिम्मेदारियाँ हैं। " चर्चा कीजिए। 20

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10

    क) लघु-स्तरीय आयोजना के मुद्दे
    ख) स्थानीय निकायों के संसाधन

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-017 : ई-गवर्नेंस
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-017
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-017/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2013-14

पूर्णांकः 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग-I

1. ई-गवर्नेंस की अवधारणा और मॉडलों की चर्चा कीजिए। 20

2. कंप्यूटर हार्डवेयर के विभिन्न भागों और कार्यों का वर्णन कीजिए। 20

3. "प्रशासनिक संस्कृति को ई-गवर्नेंस अनुकूल होना चाहिए।" व्याख्या कीजिए। 20

4. योजना और निर्णयन में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस.) और प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम.आई.एस.) की भूमिकाओं पर प्रकाश डालिए। 20

5. ग्रामीण विकास में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर टिप्पणी लिखिए। 20

भाग-II

6. डिजिटल पोर्टफोलियो और इसके उद्देश्यों का वर्णन कीजिए। 20

7. ई-वाणिज्य (ई-कॉमर्स) के क्या लाभ हैं? 20

8. नागरिक सेवाओं के वितरण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के अनुप्रयुक्त क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए। 20

9. "सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 में जानने का अधिकार, "भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल अधिकार" अंतर्निहित है।" विवेचन कीजिए। 20

10. शासन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के मुद्दे और चुनौतियों की चर्चा कीजिए और इनके समाधान के उपाय सुझाइए। 20

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-018 : आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-018
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-018/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2013-14

पूर्णांकः 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 400-400 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग-I

1. "आपदा चक्र में आपदा प्रबंधन की विभिन्न अवस्थाएँ शामिल हैं।" चर्चा कीजिए। 20
2. आपदा तैयारी में अंतर्निहित प्रमुख मुद्दों की चर्चा कीजिए। 20
3. आपदा रोकथाम में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 20
4. न्यूनीकरण को परिभाषित कीजिए और आपदा न्यूनीकरण में समस्या क्षेत्रों की चर्चा कीजिए। 20
5. समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

भाग-II

6. आपदा पीड़ित बचाव की विभिन्न विधियों की चर्चा कीजिए। 20
7. पुनर्वास और पुनर्निर्माण के मार्गदर्शी सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए। 20
8. आपदाएँ और विकास पर एक टिप्पणी लिखिए। 20
9. आपदा प्रबंधक की भूमिका और कार्यों की चर्चा कीजिए। 20
10. आपदा प्रबंधन कार्यनीतियों का एक विहंगावलोकन प्रस्तुत कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एम.एस.ओ.–002 : शोध कार्यपद्धतियाँ एवं विधियाँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ–002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ–002
/सत्रीय कार्य/टीएमए/2013–14

दोनों भागों के प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग I

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. शास्त्रार्थमीमांसा क्या है? जॉर्गन हैबरमस के योगदान को ध्यान में रखकर स्पष्ट कीजिए। 25
2. सामाजिक सच्चाई की समझ के संबंध में अल्फ्रेड शुटज के योगदान की चर्चा कीजिए। 25
3. समाजशास्त्रीय शोध में आँकड़ा विभलेषण की परिमाणात्मक विधियों की प्रकृति एवं क्षेत्र–विस्तार का वर्णन कीजिए। 25
4. सामाजिक शोध में सहभागितापरक उपागम की चर्चा कीजिए। परंपरागत शोध कार्यपद्धति से इसकी तुलना एवं इनके बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 25
5. सर्वेक्षण शोध क्या है? ग्रामीण युवा वर्ग द्वारा मोबाइल फोन के प्रयोग पर सर्वेक्षण की शोध प्रारूप रेखा तैयार कीजिए। 25

भाग II

निम्नलिखित में से किसी **एक** विषयवस्तु पर लगभग 3000 शब्दों में शोध रिपोर्ट लिखिए।

1. समाजशास्त्रीय शोध में इंटरनेट का प्रयोग 50
2. भारत में सामाजिक रूप से बहिष्कृत एवं सीमांत समूहों के सशक्तिकरण के साधनों के रूप में मुक्त एवं दूर शिक्षा 50
3. सामाजिक संबंधों पर मोबाइल फोन के प्रभाव 50

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आंकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं। साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। समीक्षा लेखन, अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त कार्यपद्धति और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए लिखें।

प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र कर, तुलनात्मक ढाँचे में अपनी पसंद की विषयवस्तु पर रिपोर्ट लिखनी है। रिपोर्ट लिखते समय अध्ययन के उद्देभयों एवं समस्याओं को पूरी तरह से स्पष्ट करें और

- मुद्दे को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्याबद्ध करें,
- अपने प्रेक्षण बिंदुओं, परिणामों और निष्कर्श को ठोस रूप से स्पष्ट करें, और
- उचित संदर्भ सूची का उल्लेख, अंत में करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस.003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2013.2014
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – 1

1. *भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान आर्थिक चिंतन में गाँधी के योगदान की चर्चा कीजिए।*

2. *निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में आलोचनात्मक समीक्षा कीजिएः*

   क) भारत में सन् 1990 के दशक से राजनीतिक लोकतंत्र और आर्थिक विकास
   ख) जातिगत असमानता की प्रकृति

3. *भारत में संसदीय लोकतंत्र के कार्यों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।*

4. *भारत के लोकतंत्र की सफलता के लिए राजनीतिक पार्टियों के योगदान की चर्चा कीजिए।*

5. *भारत में राष्ट्र–राज्य समक्ष मुख्य नृजातीय चुनौतियों की चर्चा कीजिए।*

भाग – 2

6. *निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः*

   क) लिंग और न्याय
   ख) भारत में धार्मिक राजनीति

7. *निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः*

   क) मूल लोकतंत्र (Substantive democracy)
   ख) सतत् विकास

8. *स्पष्ट कीजिए कि भारतीय संविधान सामाजिक परिवर्तन से कैसे संबंधित है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपना उत्तर दीजिए।*

9. *निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणी कीजिएः*

   क) भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका
   ख) भारत में भाषा और राजनीति

10. *भारत में श्रमिक वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभावों की चर्चा कीजिए।?*